>

Title: Need to restore the quota of kerosene in Gujarat.

श्रीमती जयश्रीबेन पटेल (महेसाणा): जानकार सूत्रों से प्राप्त समाचार अनुसार केन्द्र सरकार ने मिट्टी के तेल के आवंटन में कमी की है, जिसका सबसे ज्यादा असर गुजरात राज्य पर हुआ है । विभिन्न राज्यों की तुलना में गुजरात में 32.19 प्रतिशत की कमी आई है । विभिन्न राज्यों की स्थिति का अवलोकन करना अनिवार्य है जैसे कि गुजरात में 32.19 प्रतिशत, केरल में 14.84 प्रतिशत, आंध्र प्रदेश में 13.11 प्रतिशत, हरियाणा में 10.64, उत्तर प्रदेश में 00.08 प्रतिशत व राजस्थान में 00.03 प्रतिशत कमी में अंतर का मानदंड समझ के परे है । गुजरात में 1.11 करोड़ राशन कार्ड धारक हैं उनमें से 84 लाख के पास गैस कनेक्शन नहीं हैं, वे सभी मिट्टी के तेल पर निर्भर हैं । इस कमी का प्रभाव उपभोक्ताओं पर अवश्य पड़ता है जिससे एक कार्ड होल्डर को 3-4 लीटर मिट्टी का तेल हर महीने कम मिलेगा । केन्द्र सरकार द्वारा 2.46 करोड़ लीटर की कमी खासकर बेघर, गरीब, आदिवासी एवं पिछड़े वर्ग के परिवारों को खाना पकाने एवं उजाले के लिए बेहाल कर देगी ।

अतः, मैं सरकार से अनुरोध करती हूं कि उपभोक्ता कमी पर पुनर्विचार करे तथा इस कमी को हटा दे जिससे उपभोक्ता कम से कम अपना खाना ठीक से पका सके एवं अंधेरे से ""उजाला"" ला सके ।